

प्रेषक,

एन0एस0नपलच्याल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

1. मुख्य राजस्व आयुक्त,
उत्तरांचल, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ
पौड़ी गढ़वाल/नैनीताल।
3. शगरत जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।
- ✓ 4. एस0आई0ओ0 सूचना विज्ञान केन्द्र,
उत्तरांचल सचिवालय, देहरादून।

राजस्व विभाग

देहरादून : दिनांक : 10 } दिसम्बर, 2005

विषय: तहसील स्तर पर भू-लेखों के कम्प्यूटरीकरण किये जाने के फलस्वरूप खतौनी की दो प्रतियां निकालने जिसमें से एक प्रति तहसील में सुरक्षित रखने तथा एक प्रति पटवारी/लेखपाल को राजकीय कार्य हेतु उपलब्ध कराने के संबंध में।

महोदय,

शासन स्तर से जब जनपदों का भ्रमण किया गया तो यह संज्ञान में लाया गया कि कम्प्यूटरीकृत खतौनी की केवल एक ही प्रति कम्प्यूटर से छापी गई है, और बाकी प्रति पटवारी/लेखपाल को राजकीय कार्य हेतु उपलब्ध कराई गई है। इस संबंध में जो नियमावलि निर्गत की गई है, जिसकी पर्याप्त राजपत्र में छपी प्रतियां जनपदों को उपलब्ध कराई गयी हैं, में भिन्न व्यवस्था की गई है।

इस संबंध में उत्तरांचल अधिकारों का अभिलेख (कम्प्यूटरीकरण) नियमावली, 2005 के नियम-4 (3) का कृपया अपलोकन करें, जिसमें कम्प्यूटरीकृत खतौनी की दो प्रतियां निकालने, जिसमें से प्रथम प्रति तहसील अभिलेखागार में रखने एवं द्वितीय प्रति राजकीय प्रयोजन हेतु पटवारी/लेखपाल को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

इस संबंध में मुझे यह कहने के निदेश हुये हैं कि जिन जनपदों/तहसीलों में कम्प्यूटरीकृत खतौनी की यदि एक ही प्रति निकाली गई है, और तहसील अभिलेखागार में कोई प्रति नहीं रखी गई है तो ऐसी स्थिति में तत्काल खतौनी को एक अतिरिक्त प्रति निकालते हुये तहसील अभिलेखागार में सुरक्षित रखते हुये शासन को कृत कार्यवाही से अवगत कराने की कृपा करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलच्याल)
प्रमुख सचिव